प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 2
कक्षा – दसवीं (2023-24)
हिंदी -अ (कोड 002)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

फिजूलखर्ची एक बुराई है, यदि इसके पीछे बारीकी से नज़र डालें तो अहंकार नज़र आएगा। अहं के प्रदर्शन से तृप्ति मिलती है। अहं की पूर्ति के लिए कई बार बुराइयों से रिश्ता भी जोड़ना पड़ता है। अहंकारी लोग बाहर से भले ही गंभीरता का आवरण ओढ़ लें, लेकिन भीतर से वे उथलेपन से भरे रहते हैं।
जब कभी समुद्र तट पर जाने का मौका मिले, तो आप देखेंगे कि लहरें आती हैं, जाती हैं और चट्टानों से टकराती हैं। पत्थर वहीं रहते हैं, लहरें उन्हें भिगोकर लौट जाती हैं। हमारे भीतर हमारे आवेगों की लहरें भी हमें ऐसे ही टक्कर देती हैं।
इन आवेगों, आवेशों के प्रति अडिग रहने का अभ्यास करना होगा, क्योंकि अहंकार यदि लंबे समय तक टिकने की तैयारी में आ जाए, तो वह नए-नए तरीके ढूँढेगा। स्वयं को महत्त्व मिले अथवा स्वेच्छाचारिता के प्रति आग्रह, ये सब धीरे-धीरे सामान्य जीवन-शैली बन जाती है। ईसा मसीह ने कहा है- "मैं उन्हें धन्य कहूँगा, जो अंतिम हैं।" आज के भौतिक युग में यह टिप्पणी कौन स्वीकारेगा, जब 'चारों ओर नंबर वन' होने की होड़ लगी है।
ईसा मसीह ने इसी में आगे जोड़ा है कि "ईश्वर के राज्य में वही प्रथम होंगे, जो अंतिम हैं और जो प्रथम होने की दौड़ में रहेंगे, वे अभागे रहेंगे।" यहाँ 'अंतिम' होने का संबंध लक्ष्य और सफलता से नहीं है। जीसस ने विनम्रता, निरहंकारिता को शब्द दिया है 'अंतिम'। आपके प्रयास व परिणाम प्रथम हों, अग्रणी रहें, पर आप भीतर से अंतिम हों यानी विनम्र, निरहंकारी रहें। अन्यथा अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है।

(i) अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है - इस कथन की सत्यता सिद्ध करने वाले कारक हैं -

i. स्वयं को महत्व देना

ii. गंभीरता का आवरण ओढ़ना

iii. स्वेच्छाचारिता को महत्व देना

iv. आवेशों के प्रति अडिग रहना

क) कथन i, ii व iv सही हैं | ख) कथन ii व iv सही हैं

ग) कथन i व iii सही हैं | घ) कथन ii सही है

(ii) अहंकारी व्यक्तियों की किन कमियों की ओर संकेत किया गया है?

क) सभी विकल्प सही हैं

ख) अहंकारी व्यक्ति सतही मानसिकता रखते हैं

ग) अहंकारी व्यक्ति भीतर से उथलेपन से भरे होते हैं

घ) अहंकारी व्यक्ति किसी भी प्रकार से अपने अहं का प्रदर्शन करना चाहते हैं

(iii) लेखक ने मानव मन में उद्वेलित होने वाली भावनाओं की तुलना किससे की है?

क) ईसा मसीह से | ख) भौतिक आकांक्षाओं से

ग) समुद्र तट की लहरों से | घ) निरहंकार से

(iv) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

i. अहंकार: एक बड़ा अवगुण

ii. फिजूलखर्ची का महत्त्व

iii. मनुष्य की जीवन-शैली

iv. जीसस के विचार

क) विकल्प (ii) | ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (i) | घ) विकल्प (iv)

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): फिजूलखर्ची सूक्ष्म दृष्टि से अहंकार प्रदर्शन ही है।
कारण (R): लंबे समय तक टिकने वाला अहंकार स्वयं को महत्व देने के नए - नए तरीके खोजता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं

है।

घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना,
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना।
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस मन-मंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दु:ख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए सावधान रहना
ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किंतु आ रही नई ज़िदगी
यह विश्वास अमर है।
जन-गंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवाहमान रहना
पहरुए, सावधान रहना।

-- गिरिजा कुमार माथुर

(i) काव्यांश में देश के पहरादारों से क्या अपेक्षा की जा रही है -

i. देश की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की
ii. देश के नवनिर्माण के लिए प्रयास करने की
iii. देशवासियों को समृद्ध करने की
iv. पराधीनता में हानि करने की

क) कथन ii व iii सही हैं

ख) कथन i व ii सही हैं

ग) कथन ii व iv सही हैं

घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) कवि **पहरुए** कह रहा है

क) पहरा देने वालों को

ख) पहर में जागने वालों को

ग) देश की जनता को

घ) देश की स्वतंत्रता की परवाह न करने वालों को

(iii) **शत्रु हट गया, लेकिन उसकी छायाओं का डर है** द्वारा कवि को लगता है कि

क) छायाओं से हमें नहीं डरना चाहिए।

ख) एक शत्रु तो चला गया, किंतु कई और शत्रु (जैसे-पाकिस्तान) पैदा हो गए हैं।

ग) छायाएँ हमेशा डराती हैं।

घ) शत्रु की छाया अधिक डरा रही है।

(iv) **शोषण से मृत है समाज, कमजोर हमारा घर है** पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि

क) हमारे सामने चुनौतियाँ हैं

ख) हम खुशी तनिक भी न मनाएँ

ग) हम अधिक खुशी न मनाएँ

घ) हम खुशी मनाना नहीं रोकें

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): स्वतंत्र देश में दीपक के समान अचल रहकर इसे प्रकाशित करना नागरिकों का प्रथम कर्तव्य है।
कथन (R): पराधीनता के समय हुआ देश का शोषण और अभाव को दूर करने के लिए देशवासियों का सहयोग आवश्यक है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य होगा: **[1]**
पानी मुँह में भर आया और उसका घूँट गले से उतर गया।

क) मुँह में पानी भर आया इसलिए पानी का घूँट गले से उतर गया।

ख) जब पानी मुँह में भर आया तब उसका घूँट गले से उतर गया।

ग) जैसे ही मुँह में पानी भर आया वैसे ही उसका घूँट गले से उतर गया।

घ) मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया।

(ii) **<u>जो साहसी होते हैं</u>, वे मुश्किलों से कभी नहीं घबराते** रेखांकित उपवाक्य का भेद है- **[1]**

क) क्रिया आश्रित उपवाक्य

ख) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

ग) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

घ) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(iii) कॉलम। में दिए गए जानवरों को कॉलम॥ में उनके स्थान से मिलाएँ- **[1]**

कॉलम। (पशु)	**कॉलम॥ (स्थान)**
(i) डोडो	(क) अफ्रीका
(ii) क्वागा	(ख) रूस
(iii) थायलासिन	(ग) मोरीशस
(iv) स्टेलर की समुद्री गाय	(घ) ऑस्ट्रेलिया

क) (i) - (ग), (ii) - (क), (iii) - (घ), (iv) - (ख)

ख) (i) - (ग), (ii) - (क), (iii) - (ख), (iv) - (घ)

ग) (i) - (घ), (ii) - (ग), (iii) - (क), (iv) - (ख)

घ) (i) - (क), (ii) - (ग), (iii) - (ख), (iv) - (घ)

(iv) **पिताजी थककर सोए हैं**- इसका मिश्र वाक्य बनेगा - **[1]**

क) पिताजी थकने पर सो गए हैं।

ख) क्योंकि पिताजी थक गए हैं इसलिए सोए हैं।

ग) पिताजी थक गए हैं इसलिए सोए हैं।

घ) पिताजी सोए हैं और थके हुए हैं।

(v) **जब अगले वर्ष भी उसे नवें दर्जे में ही बैठना पड़ा तो वह बिलकुल हताश हो गया।** इस वाक्य का रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए। **[1]**

क) सरल वाक्य

ख) विधानवाचक वाक्य

ग) मिश्र वाक्य

घ) संयुक्त वाक्य

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **रानी दौड़ती है** प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए **[1]**

क) रानी द्वारा दौड़ा गया।
ख) रानी से दौड़ा नहीं जाता।
ग) रानी से दौड़ा जाता है।
घ) रानी तेज दौड़ी।

(ii) **पतोहू ने आग दी**, प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए **[1]**

क) पतोहू आग देती है।
ख) पतोहू से आग दी जाती थी।
ग) पतोहू द्वारा आग दी गई।
घ) पतोहू द्वारा आग दी जाती है।

(iii) **आपका काम कर दिया गया है।** वाक्य किस वाच्य से संबंधित है? **[1]**

क) कर्मवाच्य
ख) अकर्तृवाच्य
ग) कर्तृवाच्य
घ) भाववाच्य

(iv) निम्नलिखित में कर्मवाच्य का उदाहरण है - **[1]**

क) अब तो उससे रोया नहीं जाता।
ख) माँ द्वारा खाना बनाया जाता है।
ग) माँ से सोया नहीं जाता।
घ) अब तो वह नहीं रोती।

(v) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य का वाक्य है: **[1]**

क) शंख इंग्लैंड में बज रहा था।
ख) अख़बारों में उनकी चर्चा की जा रही थी।
ग) मूर्तिकार द्वारा समझा गया।
घ) रानी एलिज़ाबेथ की जन्मपत्री भी छपी।

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) <u>**गरीब**</u> मज़दूर बहुत परिश्रम कर रहा है। रेखांकित पद के लिए उचित पद परिचय चुनिए- **[1]**

क) संज्ञा, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन
ख) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य-मजदूर
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) विशेषण, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ii) **<u>तेज</u>** दौड़ती हुई बच्ची को उसने पकड़ लिया। रेखांकित पद है- **[1]**

क) विशेषण पद

ख) सर्वनाम पद

ग) क्रियाविशेषण पद

घ) क्रिया पद

(iii) **<u>चिड़िया</u>** छत पर बैठी थी। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए। **[1]**

क) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग

ख) सकर्मक क्रिया ,बहुवचन, स्त्रीलिंग

ग) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग

घ) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग

(iv) आजकल हमारा देश प्रगति के मार्ग पर **<u>बढ़ रहा है</u>**। दिए गए रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

क) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, भूतकाल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

ख) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, वर्तमान काल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

ग) क्रिया, सकर्मक, द्विवचन, वर्तमान काल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

घ) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, भूतकाल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

(v) तुम मेरे पास **<u>परसों</u>** आना रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

क) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता

ख) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता

ग) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता

घ) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) फूल हँसे कलियाँ मुसकाई।
उपर्युक्त पंक्ति में कौन–सा अलंकार है? **[1]**

क) मानवीकरण

ख) रूपक

ग) उपमा

घ) अतिशयोक्ति

(ii) **उषा सुनहरे तीर बरसाती, जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।** इस में कौन-सा अलंकार है? **[1]**

क) रूपक अलंकार

ख) मानवीकरण अलंकार

ग) अनुप्रास अलंकार		घ) उपमा अलंकार

(iii) **खड़-खड़ करताल बजा रही विशुद्ध हवा** - इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? **[1]**

क) उत्प्रेक्षा		ख) श्लेष

ग) मानवीकरण		घ) अतिशयोक्ति

(iv) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- **[1]**
अरहर सनई की सोने की, कंकरिया है शोभाशाली।

क) मानवीकरण अलंकार		ख) यमक अलंकार

ग) रूपक अलंकार		घ) अनुप्रास अलंकार

(v) **फूल हँसे कलियाँ मुसकाई।** इस में कौन-सा अलंकार है। **[1]**

क) मानवीकरण अलंकार		ख) यमक अलंकार

ग) रूपक अलंकार		घ) उपमा अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और मूर्ति की अच्छी लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय उहापोह और चिठ्ठी पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड शासन अवधि समाप्त होने की घड़ियों में यह स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मान लीजिए मोतीलाल जी को एक काम सौंप दिया गया होगा। जो महीने भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का विश्वास दिला रहे थे।

(i) नगरपालिका का बोर्ड किसकी मूर्ति बनवाना चाहता था?

i. महात्मा गांधी
ii. सरदार बल्लभभाई पटेल
iii. डॉक्टर भीमराव अंबेडकर
iv. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

क) कथन (i) व (iii) सही है।		ख) कथन (iv) सही है।

ग) कथन (i), (ii), (iii) व (iv) सही है।		घ) कथन (i) सही है।

(ii) **कथन (A):** मूर्ति अच्छे से एवं सही तरीके से क्यों नहीं बन पाई?
कारण (R): क्योंकि अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी, मूर्ति की अच्छी लागत, उपलब्ध बजट की सही जानकारी नहीं होने के कारण।

क) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) बोर्ड के सामने क्या-क्या समस्याएं आई?

क) बोर्ड के पास धन नहीं था।

ख) बोर्ड के सदस्य बहुत कम थे।

ग) बोर्ड पैसा खर्च नहीं करना चाहता था।

घ) बोर्ड के पास बजट कम था तथा अच्छा मूर्तिकार की जानकारी नहीं थी।

(iv) नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य किसे सौंपा गया?

क) सभी विकल्प सही है

ख) मोतीलाल

ग) मास्टर दीनानाथ

घ) हीरालाल

(v) मास्टर ने नगरपालिका के बोर्ड को क्या विश्वास दिलाया।

क) इनमें से कोई नहीं।

ख) कि बहुत सुंदर मूर्ति बनाएंगे।

ग) बहुत जल्द कार्य पूरा।

घ) 1 महीने में निर्माण पूर्ण करेंगे।

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) पिताजी रसोईघर को क्या कहते थे? **[1]**

क) भटियारखाना

ख) पूजनीय स्थान

ग) मनोरंजन का स्थान

घ) स्त्रियों का प्रिय स्थल

(ii) **लखनवी अंदाज़** पाठ में लेखक नवाब के हाव-भाव को देखकर क्या सोच रहा था? **[1]**

क) काश मैं भी नवाब होता तथा नवाब धनी होने का दिखावा कर रहा है दोनों

ख) नवाब धनी होने का दिखावा कर रहा है

ग) नवाब अत्यंत गंदा है

घ) काश मैं भी नवाब होता

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना॥
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें॥
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू॥
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा॥
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही॥
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही॥
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा॥

(i) परशुराम ने लक्ष्मण को किन शब्दों में धमकाया?

क) उन्होंने अनेक बार क्षत्रिय राजाओं को युद्ध में परजित किया है
ख) वे केवल साधारण मुनि नहीं हैं
ग) वे महान् योद्धा भी हैं
घ) सभी विकल्प सही हैं

(ii) 'छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू' यह कथन किसने, किससे कहा?

क) विश्वामित्र ने परशुराम से
ख) लक्ष्मण ने परशुराम से
ग) लक्ष्मण ने रामचन्द्रजी से
घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) यह अंश तुलसी के किस ग्रन्थ से उद्धृत है?

क) कवितावली
ख) रामचरितमानस
ग) राम नहछू
घ) गीतावली

(iv) परशुराम की किन्हीं दो चरित्रगत विशेषताओं के बारे में बताइए।

क) वे अत्यन्त दयालु तथा क्षत्रियों के विनाशक थे
ख) वे अत्यन्त शांत तथा क्षत्रियों के रक्षक थे
ग) वे अत्यन्त विनम्र तथा क्षत्रियों के सहायक थे
घ) वे अत्यन्त क्रोधी तथा क्षत्रियों के प्रबल शत्रु थे

(v) काव्यांश में 'नयन के भोरे' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) परशुराम के लिए
ख) लक्ष्मण के लिए
ग) विश्वामित्र के लिए
घ) श्रीराम के लिए

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) संसार के लोग किससे पीड़ित थे? **[1]**

क) अकाल ख) प्यास

ग) भूख घ) निदाघ

(ii) **संगतकार** कविता अनुसार सरगम को लाँघने से कवि का क्या अभिप्राय है? **[1]**

क) सभी कथन सत्य हैं

ख) संगीत को छोड़कर किसी अन्य ओर ध्यान देना

ग) मूल स्वर को भूलकर अंतरे की जटिल तानों में खोजा जाना

घ) संगीत की गहराइयों में उतर जाना

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) लेखक ने बिस्मिल्ला खाँ को वास्तविक अर्थों में सच्चा इंसान क्यों माना है? **[2]**

(ii) स्थूल भौतिक कारण ही आविष्कारों का आधार नहीं है। इस विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए। **[2]**

(iii) एक कहानी यह भी आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आंदोलन के परिदृश्य का चित्रण करते हुए उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिए। **[2]**

(iv) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी? **[2]**

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नज़र आता है, स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(ii) भाव स्पष्ट कीजिए- **[2]**
और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊचाँ न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

(iii) बिना ईमानदारी और साहस के आत्मकथा नहीं लिखी जा सकती। गांधी जी की आत्मकथा **सत्य के प्रयोग** पढ़कर पता लगाइए कि उसकी क्या-क्या विशेषताएँ हैं? **[2]**

(iv) **धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात ...** **[2]**
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात,

तुम्हारी ये दंतुरित मुस्कान से ली गई उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त बिंब को स्पष्ट कीजिए।

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के आधार पर हिरोशिमा जाने पर लेखक को क्या प्रत्यक्ष अनुभव हुआ? **[4]**

(ii) **साना-साना हाथ जोड़ि...** पाठ में किस जगह की तुलना स्विट्ज़रलैंड से की गई है? वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन कीजिए। **[4]**

(iii) 'माता का आँचल' पाठ में लड़कों की मंडली जुटकर विवाह की क्या-क्या तैयारियाँ करती थी ? **[4]**

14. **विज्ञान के आधुनिक चमत्कार** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- मानव जीवन और विज्ञान
- आधुनिक आविष्कार
- लाभ-हानि

अथवा

हमारी मेट्रो विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- भारत की प्रगति का नमूना
- लोकप्रियता के कारण
- मेट्रो का विस्तार

अथवा

आतंकवाद : समस्या और समाधान विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- ज्वलंत समस्या क्यों?
- आतंकवाद की जड़
- समाधान क्या हो

15. स्वच्छता अभियान के कारण लोगों के व्यवहार और मानसिकता में आए परिवर्तन पर अपने विचार प्रकट करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने छोटे भाई को कुसंगति की हानियाँ बताते हुए एक पत्र लिखिए।

16. शिक्षा निदेशालय, दिल्ली को विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की आवश्यकता है। इस पद के लिए शिक्षा निदेशक को स्ववृत सहित एक आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों को अंधाधुंध काटा जा रहा है। इसकी शिकायत करते हुए अपने जिले के वन-निरीक्षक को pccfgnctd@gmail.com एक ईमेल लिखिए।

17. पेंसिल बनाने वाली किसी प्रसिद्ध कम्पनी की ओर से 25-50 शब्दों में विज्ञापन लेखन कीजिए। **[4]**

अथवा

होली के अवसर पर अपने मित्र को लगभग 60 शब्दों में बधाई संदेश भेजिए।

Solutions

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

फिजूलखर्ची एक बुराई है, यदि इसके पीछे बारीकी से नज़र डालें तो अहंकार नज़र आएगा। अहं के प्रदर्शन से तृप्ति मिलती है। अहं की पूर्ति के लिए कई बार बुराइयों से रिश्ता भी जोड़ना पड़ता है। अहंकारी लोग बाहर से भले ही गंभीरता का आवरण ओढ़ लें, लेकिन भीतर से वे उथलेपन से भरे रहते हैं।

जब कभी समुद्र तट पर जाने का मौका मिले, तो आप देखेंगे कि लहरें आती हैं, जाती हैं और चट्टानों से टकराती हैं। पत्थर वहीं रहते हैं, लहरें उन्हें भिगोकर लौट जाती हैं। हमारे भीतर हमारे आवेगों की लहरें भी हमें ऐसे ही टक्कर देती हैं।

इन आवेगों, आवेशों के प्रति अडिग रहने का अभ्यास करना होगा, क्योंकि अहंकार यदि लंबे समय तक टिकने की तैयारी में आ जाए, तो वह नए-नए तरीके ढूँढेगा। स्वयं को महत्त्व मिले अथवा स्वेच्छाचारिता के प्रति आग्रह, ये सब धीरे-धीरे सामान्य जीवन-शैली बन जाती है। ईसा मसीह ने कहा है- "मैं उन्हें धन्य कहूँगा, जो अंतिम हैं।" आज के भौतिक युग में यह टिप्पणी कौन स्वीकारेगा, जब 'चारों ओर नंबर वन' होने की होड़ लगी है।

ईसा मसीह ने इसी में आगे जोड़ा है कि "ईश्वर के राज्य में वही प्रथम होंगे, जो अंतिम हैं और जो प्रथम होने की दौड़ में रहेंगे, वे अभागे रहेंगे।" यहाँ 'अंतिम' होने का संबंध लक्ष्य और सफलता से नहीं है। जीसस ने विनम्रता, निरहंकारिता को शब्द दिया है 'अंतिम'। आपके प्रयास व परिणाम प्रथम हों, अग्रणी रहें, पर आप भीतर से अंतिम हों यानी विनम्र, निरहंकारी रहें। अन्यथा अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है।

(i) **(ग)** कथन i व iii सही हैं

व्याख्या: कथन i व iii सही हैं

(ii) **(क)** सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या: गद्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अहंकारी लोग बाहर से भले ही गंभीरता का आवरण ओढ़ लें, लेकिन भीतर से वे उथलेपन से भरे होते हैं, वे सतही मानसिकता रखते हैं और किसी भी प्रकार से अपने अहं का प्रदर्शन करना चाहते हैं। इस प्रकार, सभी विकल्प सही हैं।

(iii) **(ग)** समुद्र तट की लहरों से

व्याख्या: लेखक ने मानव मन में उद्वेलित होने वाली भावनाओं की तुलना समुद्र तट की लहरों से की है। जिस प्रकार समुद्र की लहरें आते-जाते समय चट्टानों के पत्थरों को भिगोकर चली जाती हैं, उसी प्रकार हमारे भीतर आवेगों की लहरें भी हमें टक्कर देती रहती हैं।

(iv) **(ग)** विकल्प (i)

व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक 'अहंकार: एक बड़ा अवगुण' होगा, क्योंकि यहाँ अहंकार के कारण होने वाली हानि पर प्रकाश डालते हुए उसे मनुष्य के लिए अनुपयुक्त माना है।

(v) **(ग)** कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना,
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना।
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस मन-मंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दु:ख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए सावधान रहना
ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किंतु आ रही नई ज़िदगी
यह विश्वास अमर है।
जन-गंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवाहमान रहना
पहरुए, सावधान रहना।
-- गिरिजा कुमार माथुर

(i) **(घ)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(ग)** देश की जनता को
व्याख्या: यहाँ प्रयुक्त 'पहरुए' शब्द का अभिप्राय प्रहरी से है, जो देश के सभी नागरिक हैं। देश के सभी नागरिकों का कर्त्तव्य है कि वे देश की स्वतंत्रता की रक्षा करें।

(iii) **(ख)** एक शत्रु तो चला गया, किंतु कई और शत्रु (जैसे-पाकिस्तान) पैदा हो गए हैं।
व्याख्या: इस पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाह रहा है कि देश के शत्रु अंग्रेज़ तो देश छोड़कर चले गए, लेकिन जाते-जाते वे 'पाकिस्तान' नामक देश बनाकर लोगों के मन में धार्मिक वितृष्णा के बीज बो गए।

(iv) **(क)** हमारे सामने चुनौतियाँ हैं
व्याख्या: कवि कहना चाहता है कि हमारे देश में, भारतीय समाज में अभी भी शोषण विद्यमान है। जिससे हमें निपटना होगा, क्योंकि अभी हमारे सामने अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।
(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(घ)** मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया।
व्याख्या: मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया।
(ii) **(घ)** विशेषण आश्रित उपवाक्य
व्याख्या: विशेषण आश्रित उपवाक्य
(iii) **(क)** (i) - (ग), (ii) - (क), (iii) - (घ), (iv) - (ख)
व्याख्या: (i) - (ग), (ii) - (क), (iii) - (घ), (iv) - (ख)
(iv) **(ख)** क्योंकि पिताजी थक गए हैं इसलिए सोए हैं।
व्याख्या: क्योंकि पिताजी थक गए हैं इसलिए सोए हैं।
(v) **(ग)** मिश्र वाक्य
व्याख्या: मिश्र वाक्य

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(ग)** रानी से दौड़ा जाता है।
व्याख्या: रानी से दौड़ा जाता है।
(ii) **(ग)** पतोहू द्वारा आग दी गई।
व्याख्या: पतोहू द्वारा आग दी गई।
(iii) **(क)** कर्मवाच्य
व्याख्या: कर्मवाच्य
(iv) **(ख)** माँ द्वारा खाना बनाया जाता है।
व्याख्या: माँ द्वारा खाना बनाया जाता है।
(v) **(घ)** रानी एलिज़ाबेथ की जन्मपत्री भी छपी।
व्याख्या: रानी एलिज़ाबेथ की जन्मपत्री भी छपी।

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(ख)** विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य-मजदूर
व्याख्या: गरीब 'मजदूर' की विशेषता बता रहा है।
(ii) **(ग)** क्रियाविशेषण पद
व्याख्या: क्रियाविशेषण पद

(iii) **(ग)** अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग
व्याख्या: अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग
(iv) **(ख)** क्रिया, अकर्मक, एकवचन, वर्तमान काल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।
व्याख्या: क्रिया, अकर्मक, एकवचन, वर्तमान काल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।
(v) **(क)** कालवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता
व्याख्या: कालवाचक क्रियाविशेषण, 'आना' क्रिया की विशेषता

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** मानवीकरण
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार। स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में निर्जीव पदार्थ (फूल व कलियाँ) का उल्लेख सजीव प्राणियों की तरह किया।
(ii) **(ख)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(iii) **(ग)** मानवीकरण
व्याख्या: मानवीकरण
(iv) **(क)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(v) **(क)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और मूर्ति की अच्छी लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय उहापोह और चिठ्ठी पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड शासन अवधि समाप्त होने की घड़ियों में यह स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मान लीजिए मोतीलाल जी को एक काम सौंप दिया गया होगा। जो महीने भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का विश्वास दिला रहे थे।
(i) **(ख)** कथन (iv) सही है।
व्याख्या: कथन (iv) सही है।
(ii) **(ग)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(iii) **(घ)** बोर्ड के पास बजट कम था तथा अच्छा मूर्तिकार की जानकारी नहीं थी।
व्याख्या: बोर्ड के पास बजट कम था तथा अच्छा मूर्तिकार की जानकारी नहीं थी।
(iv) **(ख)** मोतीलाल
व्याख्या: मोतीलाल
(v) **(घ)** 1 महीने में निर्माण पूर्ण करेंगे।
व्याख्या: 1 महीने में निर्माण पूर्ण करेंगे।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(क)** भटियारखाना
व्याख्या: भटियारखाना

(ii) **(ख)** नवाब धनी होने का दिखावा कर रहा है
व्याख्या: लखनवी अंदाज़ पाठ में लेखक नवाब के हाव-भाव को देखकर लेखक सोच रहा था कि नवाब धनी होने का दिखावा कर रहा है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना॥
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें॥
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू॥
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा॥
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही॥
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही॥
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा॥

(i) **(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(ii) **(ख)** लक्ष्मण ने परशुराम से
व्याख्या: लक्ष्मण ने परशुराम से

(iii) **(ख)** रामचरितमानस
व्याख्या: रामचरितमानस

(iv) **(घ)** वे अत्यन्त क्रोधी तथा क्षत्रियों के प्रबल शत्रु थे
व्याख्या: वे अत्यन्त क्रोधी तथा क्षत्रियों के प्रबल शत्रु थे

(v) **(घ)** श्रीराम के लिए
व्याख्या: श्रीराम के लिए

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** निदाघ
व्याख्या: निदाघ

(ii) **(ग)** मूल स्वर को भूलकर अंतरे की जटिल तानों में खोजा जाना
व्याख्या: मूल स्वर को भूलकर अंतरे की जटिल तानों में खोजा जाना।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) लेखक ने बिस्मिल्ला खाँ को वास्तविक अर्थों में सच्चा इंसान कहा है, इसके कई कारण रहे। वे सांप्रदायिक सौहार्द व मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे। वे अपना जीवन सीधे-सादे ढंग से व्यतीत करते थे। उन्होंने दोनों धर्मों को बराबर का दर्जा दिया। वे पाँचों वक्त नमाज पढ़ते थे। उनकी बाबा विश्वनाथ और बाला जी मंदिर में भी आस्था थी। मुहर्रम पर वे नौहा बजाते थे तो संकट मोचन मंदिर पर संगीत आयोजन में भाग लेने भी जाते थे। उनकी 14 वर्ष की आयु होते ही अपने बड़ों द्वारा दादा, पिता, नाना, मामा से बालाजी के मंदिर में पारंपरिक रूप से होने वाले शहनाई के रियाज की शिक्षा शुरू हो गई।

(ii) छात्र स्वयं करें।

(iii) 1942-47 में स्वतंत्रता-आन्दोलन के समय हर एक युवा पूरे जोश-खरोश से इस आन्दोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहा था,स्कूल -कॉलेजों का माहौल परिवर्तित हो रहा था। ऐसे में देश की पुकार सुन कर लेखिका मन्नू भंडारी ने भी इस आन्दोलन का अभिन्न हिस्सा बनकर अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। उसने पिता की इच्छा के विरुद्ध सड़कों पर घूम-घूमकर नारेबाजी , हड़तालें, जलसे किये और जुलूस निकाले । इस आंदोलन में उन्होंने न केवल अपने भाषण, उत्साह तथा अपनी संगठन-क्षमता के द्वारा सहयोग प्रदान किया बल्कि युवाओं को भी प्रोत्साहित किया ।

(iv) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण इसलिए थी क्योंकि वे सुबह उठकर दो मील दूर नदी में स्नान करने जाते थे | किसी भी मौसम का कोई भी असर उन्हें रोक नहीं पाता था | दोनों समय ईश्वर के गीत गाना, ईश्वर की साधना में लगे होते हुए भी गृहस्थी के कार्यों से वे कभी भी विरत नहीं हुए | प्रत्येक वर्ष गंगा स्नान के लिए जाना और संत-समागम में भाग लेना उन्होंने अंत समय तक नहीं छोड़ा |

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) “हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं” से यही स्पष्ट होता है कि राजनीति, छल, प्रपंच के पर्याय के रूप में जानी जाती रही है। राजनीति में धर्म, कर्तव्य, विश्वास, अपनत्व, सुविचार आदि का कोई महत्त्व और स्थान नहीं है। राजनीति को धर्म का पालन करने के लिए गोपियों द्वारा याद दिलाने की आवश्यकता पड़ी है, जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। आज की कलुषित राजनीति में ऐसा ही चारों ओर दिखाई दे रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि छल-प्रपंच के बिना राजनीति कैसी? वास्तव में समकालीन राजनीति छल एवं चतुराई से भरा है सब यहाँ पर एक दुसरे को उल्लू बनाते है। हर हाल में अपना स्वार्थ पूरा करना, अवसरवादिता, अन्याय, कमजोरों को सताना अधिकाधिक धन कमाना आज की राजनीति का अंग बन गया है।

(ii) प्रस्तुत कविता ‘मंगलेश डबराल’ द्वारा रचित “संगतकार” कविता से ली गई है। जिसमे कवि यह बताने का सफल प्रयास कर रहा है कि गायन के दौरान मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। कवि के अनुसार संगतकार की आवाज में संकोच स्पष्ट सुनाई देता है, परन्तु यह उसकी अयोग्यता न होकर अपने मुख्य गायक के प्रति उसका श्रद्धा भाव होता है। इसी श्रद्धा भाव के कारण वह सतर्क रहता है कि उसकी आवाज मुख्य गायक से ऊपर न चली जाए। जिससे मुख्य गायक की पहचान और उसका अस्तित्व कम न हो जाए। मुख्य गायक के मान सम्मान की रक्षा करने में ही वह अपना बड़प्पन समझता है। वह

कितना भी उत्तम गायक हो परन्तु स्वयं को मुख्य गायक से कम ही रखता है। कवि ने संगतकार के ऐसे संकोच को उसकी विफलता न बताकर उसे मानवीय गुणों से संपन्न बताया है।

(iii) छात्र स्वयं करें।

(iv) कवि का मानना है कि बच्चे की प्रिय मुस्कान वह मृतक व्यक्ति की आत्मा में जीवंतता भर सकती है। उनके कोमल शरीर पर छिपी हुई धूल की वजह से ऐसा लगता है, मानो कीचड़ में कमल का फूल खिल रहा हो। कवि शिशु से संवाद करते हुए कहते हैं कि वे शिशु ऐसे कमल के समान हैं, जो तालाब को छोड़कर उनकी झोपड़ी में खिल रहे हैं।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) लेखक अब तक तो पुस्तकीय ज्ञान के आधार पर हिरोशिमा में हुए अणु-बम विस्फोट का अनुमान लगा रहा था। अखबारों में भी उसके प्रभाव को पढ़ रहा था किंतु जब वह हिरोशिमा गया तो उसने विश्व-युद्ध के समय अणु-बम द्वारा मचाई तबाही का दृश्य देखा। उसने अस्पतालों में पड़े उन आहत लोगों को देखा जो रेडियम से आहत कष्ट भोग रहे थे। इस तरह लेखक को हिरोशिमा पर हुए अणु-बम के प्रभाव का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ।

(ii) 'कटाओ' को भारत का स्विट्जरलैंड कहा जाता है। मणि जिसने स्विट्ज़रलैंड घुमा था ने कहा कि यह स्विट्जरलैंड से भी सुंदर है। कटाओ को अभी तक टूरिस्ट स्पॉट नहीं बनाया गया था, इसलिए यह अब तक अपने प्राकृतिक स्वरूप में था। लायुंग से कटाओ का सफ़र दो घंटे का था। मानो पहाड़ों पर पाउडर छिड़क दिया गया हो। कहीं पाउडर बचा रह गया था और कहीं ऐसा लग रहा था मानों पाउडर खिली हुई धूप में बह गया हो। थोड़ा आगे बर्फ से पूरी तरह ढके हुए पहाड़ थे जिसे देखकर लग रहा था कि साबुन के झाग सब तरफ गिरे हुए हों। सभी सैलानी बर्फ में कूद कर आनंद विभोर हो रहे थे। घुटनों तक नरम-नरम बर्फ थी। ऊपर आसमान और बर्फ़ से ढके पहाड़ थे जो एक हुए से लग रहे थे। लेखिका के पाँव झनकार कर रहे थे। उनका मन वृन्दावन हो रहा था। उसकी इच्छा हो रही थी कि बर्फ पर लेटकर वह इस बर्फीली जन्नत को जी भर कर देख ले। संपूर्णता के इन क्षणों में लेखिका सोचने लगी थी कि ऐसे ही मन को विभोर करने वाली दिव्यता के बीच ही शायद हमारे ऋषि-मुनियों ने वेदों की रचना की होगी

(iii) 'माता का आँचल' पाठ में लड़कों की मंड़ली बारात निकालती थी। वे कनस्तर को तंबूरा बनाकर बजाते, अमोले को घिसकर उससे बड़े मजे से शहनाई बजाते, टूटी हुई चूहेदानी को पालकी बनाकर उसे कपड़े से ढक देते। कुछ बच्चे समधी बनकर बकरे पर चढ़ लेते थे और बारात चबूतरे के चारों ओर घूमकर दरवाजे लगती थी। वहाँ काठ की पटरियों से घिरे, गोबर से लिपे, आम और केले की टहनियों से सजाए हुए छोटे आँगन में कुल्हड़ का कलसा रख़ा रहता था। वहीं पहुँचकर बारात फिर लौट आती थी। लौटते समय खटोली पर लाल पर्दा डाल दिया जाता और दुल्हन को उस पर चढ़ा लिया जाता था। बाबूजी दुल्हन का मुँह देखते तो सब बच्चे हँस पढ़ते।

14. विशिष्ट रीति से जो ज्ञान पाया जाता है, उसे विज्ञान कहा जाता है। आज की इस भौतिकवादी दुनिया ने विज्ञान द्वारा संसार का ढाँचा ही बदल दिया है। सभी राष्ट्र औद्योगिक क्रान्ति की ओर अग्रसर हैं। उनके इस विकासशील रूप को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि आज का युग यन्त्र का युग है। जिधर देखो गगनचुम्बी चिमनियाँ, बड़े-बड़े कल-कारखाने, पृथ्वी को सुशोभित कर, राष्ट्र की समृद्धि

का गुणगान कर रहे हैं। विज्ञान के चमत्कार आश्चर्यजनक हैं। यातायात, संचार के नये-नये साधन, बड़े-बड़े कल-कारखानों में नाना वस्तुओं का मशीनों से निर्माण, कृषि के क्षेत्र में क्रान्ति, मानव स्वास्थ्य और आयु वृद्धि के उपायों की खोज, फोटोग्राफी, सिनेमा आदि के द्वारा कला और मनोरंजन के साधनों का विकास, टी.वी., कम्प्यूटर, इंटरनेट, अन्तरिक्ष में मानव यात्रा, परमाणु शक्ति का मानव-कल्याण में उपयोग आदि विज्ञान की नाना उपलब्धियों ने धरती पर जैसे स्वर्ग ही उतार दिया है। विज्ञान ने मानव को अनेकानेक लाभ पहुँचाकर उसका अनन्त उपकार किया है। यन्त्रों के विकास के कारण मनुष्य के समय और श्रम की बहुत बचत हो गयी है। इनका उपयोग अब वह जीवन को और अधिक सुखमय बनाने के लिए कर सकता है। धरती की भौगोलिक दूरियाँ मिट जाने से विश्व-बन्धुत्व की भावना को बल मिला है। एक देश की घटना दूसरे देश को तुरन्त प्रभावित करती है। किसी देश में भयंकर तबाही होने से अनेक राष्ट्रों से तुरंत सहायता पहुँचने लगती है। विज्ञान ने हमें भयंकर रोगों से मुक्ति दिलाई है। बाढ़, अकाल, महामारी आदि पर नियन्त्रण करके लाखों मनुष्यों को प्रकृति के प्रकोप का शिकार होने से बचा लिया जाता है। विज्ञान ने हमें अनेक भौतिक सुख-सुविधाएँ प्रदान की हैं। इनकी गणना कर पाना असम्भव है। वैभव और विलास की अनन्त सामग्री जुटाकर विज्ञान ने धरती पर स्वर्ग ला दिया है। विज्ञान ने मनुष्य के हाथों में असीम शक्ति भर दी है। ज्ञान के नये-नये क्षितिज खोल दिये हैं। उसने भूखे को रोटी और नंगे को वस्त्र दिये हैं। अन्धे को आँखें दी हैं, लंगड़े को पर्वत लाँघने की शक्ति दी है। वह निर्धन का धन व निर्बल का बल है। उसकी कृपा से ' मूक होंहि वाचाल, पंगु चढ़हिं गिरिवर गहन।' की उक्ति सार्थक हुई है।

अथवा

महानगरों की बढ़ती भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था में क्रांति लाने का श्रेय मेट्रो रेल सेवा को है। मैट्रो रेल यातायात की अत्याधुनिक सुविधा है। यह लाखों लोगों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आज मेट्रो में यात्रा करते समय एक सुखद अनुभूति होती है। ऐसा महसूस होता है कि यह हमारे घर हमारी मेट्रो है। महानगरों में जनसंख्या की बहुलता को देखते हुए मेट्रो ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। आज इस मेट्रो रेल का विस्तार केवल दिल्ली तक ही सीमित न रहकर दिल्ली के बाहर अन्य राज्यों के प्रमुख महानगरों तक हो चुका है। यह अपने आप में भारत की प्रगति और मेट्रो की लोकप्रियता का नमूना है। सबसे पहली मेट्रो रेल योजना की शुरुआत 24 दिसम्बर, 2002 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी के द्वारा मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर की गई। मेट्रो के लाभ और विस्तार से सन् 2005 के अंत तक दिल्ली यातायात का चेहरा पूरी तरह बदल गया। दिल्ली के उपराज्यपाल के अनुसार दिल्ली मेट्रो ने सन् 2021 तक 245 किमी. लम्बी मेट्रो रेल लाइनें बिछाने का मास्टर प्लान तैयार किया है। इस योजना के पूरा होने के बाद कोलकाता के बाद दिल्ली ऐसा शहर हो जाएगा जहाँ न सिर्फ खंभों पर बल्कि जमीन के नीचे सुरंगों में मेट्रो रेल चलती दिखेंगी। इसके साथ ही जयपुर, आगरा, लखनऊ, मुंबई आदि महानगरों को भी मेट्रो रेल से सँवारा जा रहा है। हमारी अपनी मेट्रो द्वारा 21 वीं सदी में भारत को विश्व स्तर का पब्लिक सिस्टम उपलब्ध हो रहा है। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है।

अथवा

बन्दूक, मशीन गन, तोपें, एटम बोम, हाईड्रोजन बम, परमाणु हथियार, मिसाइल आदि का अधिक मात्रा में निर्माण होना। आबादी का तेजी से बढ़ना, राजनैतिक, सामाजिक, अर्थव्यवस्था देश की व्यवस्था के प्रति असंतुष्ट, शिक्षा की कमी, गलत संगति, बहकावे में आना आतंकवाद के इसके अलावा बहुत से कारण हो सकते है। आजकल अपनी बात को मनवाने व सही साबित करने के लिए

आतंकवाद को ही पहला हथियार बनाया जाता है। आतंकवादी के अंदर समाज, देश के प्रति विद्रोह, असंतोष होता है। भ्रष्टाचार, जातिवाद, आर्थिक विषमता, भाषा का मतभेद ये सब आतंकवाद के मूल तत्व है, इन्हीं के बाद आतंकवाद पनपता है।
आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य सामाजिक व राजनैतिक सिस्टम को आहात पहुँचाना है। आतंकवाद का असर सबसे ज्यादा आम जनता को होता है। जिसमें कितने ही निर्दोष लोगों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आतंकवादी समूह देश की सरकार को बताने के लिए ये सब करते है, लेकिन जिस पर वे ये जुल्म ढाते है, वे उन्हीं के भाई बहन होते है, मासूम होते है, जिनका सरकार, आतंकवाद से कोई लेना देना नहीं होता है। एक बार ऐसा कुछ देखने के बाद इन्सान के मन में जीवनभर के लिए डर पैदा हो जाता है, वो घर से निकलने तक में हिचकता है। माँ को डर लगा रहता है, उसका बच्चा घर वापस आएगा की नहीं।
धर्म को सही ढंग से समझना होगा। मानवजाति धर्म, जातिवाद के भंवर में इस कदर फंस गई है, कि धर्म के उपर इंसानियत के बारे में सोचती ही नहीं है। धर्म हमारी सुविधा के लिए है, धर्म अच्छी शिक्षा, ज्ञान की बातें इंसानियत सिखाता। हमें धर्म, जाति के उपर इंसानियत को रखना चाहिए। दुनिया में प्यार से बड़ी कोई चीज नहीं है, कहते है 'भगवान् प्यार है, प्यार ही भगवान् है'। गॉड ने हमें अपने आस पास अपने पड़ोसी से प्यार करने की शिक्षा दी है, वो हमें कहता है "दूसरों की गलती माफ़ करो जैसे मैं करता हूँ"। सबका समान रूप से सम्मान करो। अगर हम भगवान की बात का सही मतलब समझेंगें, तो देश दुनिया से आतंकवाद जैसी कुरीथियां निकल जाएगी और चारों तरफ प्यार होगा।

15. सेवा में

श्रीमान संपादक जी,
नव भारत टाइम्स,
कार्यालय दिल्ली

विषय : स्वच्छता अभियान के कारण लोगों में आये बदलाव की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना।

महोदय,

आपको बताते हुए हमें बड़ा ही हर्ष हो रहा है कि सरकार की ओर से चलाये गए स्वच्छता अभियान का हमारे आसपास के लोगों पर बहुत ही अच्छा प्रभाव पड़ा है। इस प्रभाव का श्रेय आपको भी जाता है। इस अभियान को सफल बनाने में आपका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा क्योकिं आपने स्वच्छता अभियान को अपने दैनिक पेपर में लगातार जगह दी जिससे इस अभियान को आंदोलन का रूप मिल सका। स्वच्छता अभियान के कारण लोगों की मानसिकता और उनके व्यवहार में भी अंतर देखने को मिला है। अब लोग जगह-जगह कूड़ा करकट नहीं डालते, जिससे अब यहाँ प्रदूषण गुणवत्ता में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है।
आपके द्वारा चलाये गए स्वच्छता अभियान को लेकर हमारे सभी दिल्ली वासियों की ओर से आपको तहेदिल से धन्यवाद करते हैं और साथ ही आशा करते हैं कि ऐसे ही आप स्वच्छता अभियान को अपने दैनिक पेपर में जगह देते रहेंगे जिससे हमारा देश प्रदूषण मुक्त देश कहला सके।

धन्यवाद।

भवदीय
समस्त दिल्ली वासी

अथवा

प्रिय रोहित,
सदा प्रसन्न रहो।

यहाँ सभी कुशलपूर्वक हैं। आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। कल ही तुम्हारे छात्रावास के अधीक्षक का एक पत्र पिताजी को प्राप्त हुआ, जिसे पढ़कर उन्हें बहुत चिन्ता हुई। पत्र में उन्होंने लिखा है कि आपका बेटा आजकल कुसंगति में पड़ गया है। यदि उसे नहीं रोका गया तो छात्रावास से निष्कासित कर दिया जाएगा।

भाई, ध्यान रखो कि कुसंगति से मनुष्य पतन की ओर चला जाता है और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल हो जाता है। विद्यार्थी जीवन तो भविष्य की तैयारी हेतु होता है। मेरी सलाह है कि तुम ऐसे लड़कों की संगति का त्याग शीघ्र कर दो और अपनी पढ़ाई की ओर ध्यान दो। मुझे विश्वास है कि तुम सही मार्ग पर अग्रसर होगे तथा परिवारीजनों को निराश नहीं करोगे। अपनी कुशलता का समाचार देना।

तुम्हारा बड़ा भाई,
बसंत कुमार
B-140, श्याम नगर
गुरुग्राम, हरियाणा।

16. प्रति,
शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली।

विषय-प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की भर्ती हेतु आवेदन-पत्र।

महोदय,

मुझे 05 मई, 2019 को प्रकाशित दैनिक जागरण समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि शिक्षा निदेशालय को विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की आवश्यकता है। प्रार्थी भी स्वयं को एक उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

नाम - सचिन बंसल
पिता का नाम - श्री बिन्नी बंसल
जन्मतिथि - 25 दिसंबर,1991
पता - सी/125 सागरपुर दिल्ली।
शैक्षिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2006	70%
बाहरवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2008	79%
बी.ए.	दिल्ली विश्वविद्यालय	2011	72%
एम.ए.	इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	2013	76%

अनुभव- अभिनव पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी शिक्षक पद पर एक साल अंशकालिक।

घोषणा- मैं आपको विशवास दिलाता हूँ कि सेवा का अवसर मिलने पर पूरी निष्ठा एव ईमानदारी से कार्य करूँगा।

धन्यवाद
भवदीय
सचिन बंसल
हस्ताक्षर ....
दिनांक 08 मई, 2019
संलग्न- शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: pccfgnctd@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - वृक्षों की अवैध कटाई के संबंध में
महोदय,
मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले वैशाली नगर की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इस मोहल्ले से कुछ दूरी पर हरा-भरा बाग था। बाग के पास से एक कच्चा रास्ता आगे जाकर मुख्य सड़क पर मिलता था। इसी रास्ते को चौड़ा करने के नाम पर इस बाग तथा आसपास के क्षेत्रों में उन हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा है जो कि यहाँ के पर्यावरण के लिए घातक है। इन पेड़ों को न काटा जाता तब भी पर्याप्त चौड़ी सड़क बन जाती, किंतु कुछ ठेकेदार किस्म के लोग इन पेड़ों के दुश्मन बने हुए हैं। आपसे विनम्र प्रार्थना है कि पेड़ों की अनियंत्रित कटाई रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने की कृपा करें। हम क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।
पवन

17.

जो टिकता है वही तो बिकता है!

नटराज पेंसिल

- सरल, सहज एवं आकर्षक लिखावट के लिए
- बिना अतिरिक्त ज़ोर लगाये तेज़ी से लिखे
- बार-बार टूटने से मुक्ति
- छात्रों की पहली पसंद

- पेंसिल बॉक्स के साथ रबड़ व शॉर्पनर फ्री

शीघ्र सम्पर्क करें:- शॉप नंबर 25, नई सड़क, नई दिल्ली - 6, फोन नं. - 011-2526XXXX

अथवा

दिनांक: 15 मार्च 20XX

प्रिय महेश

होली के इस रंगीन त्योहार की ढेर सारी शुभकामनाएँ! यह प्यार भरा त्योहार हम सभी को खुशियों से भर देता है। आपको और आपके परिवार को ढेर सारा प्यार और समृद्धि मिले। खेलिए, नाचिए और रंग बरसाइए। बस, दोस्ती बनाए रखना! फिर से एक बार होली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

तुम्हारा प्रिय मित्र

अमित